RNI Title Code : MPBIL02445

सेवा मंथन

वर्ष 2 अंक 14 (पाक्षिक) इन्दौर, 16 से 31 जुलाई 2022 पृष्ठ 8 मूल्य 10 रुपये

लुलु मॉल में नामाज को लेकर बवाल, हिंदू संगठनों ने दी हनुमान चालीसा पढ़ने की चेतावनी

लखनऊ। उद्घाटन के साथ ही लखनऊ का लुलु मॉल सुर्खियों में आ गया है। इस मॉल को उत्तर भारत का सबसे बड़ा मॉल माना जा रहा था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मॉल का उद्घाटन किया था। लेकिन अब इस मॉल में कुछ ऐसा हुआ है जिसकी वजह से बवाल मच गया है। दरअसल, लुलु मॉल अपने परिसर के अंदर कथित रूप से नमाज पढ़ने देने और सिर्फ मुसलमानों को ही नौकरी देने को लेकर विवाद में आ गया है। यह विवाद टोपी पहने कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से लुलु मॉल के अंदर नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल होने के बाद पैदा हुआ। इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। मामला गर्म हुआ तो मॉल प्रबंधन की ओर से इस को लेकर शिकायत की गई है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने नमाज पढ़ने के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। मॉल प्रबंधन का दावा है कि नमाज पढ़ने वाले लोग अज्ञात थे। उनका कोई भी स्टाफ नमाजियों में शामिल नहीं

था। पुलिस ने भी अज्ञात युवकों पर इस मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया है।

दूसरी ओर दक्षिणपंथी संगठन अखिल भारतीय हिंदू महासभा के कुछ सदस्यों ने लुलु मॉल के गेट पर धरना-प्रदर्शन किया। हिंदू संगठन वहां हनुमान चालीसा का पाठ करने की मांग कर रहे हैं। धार्मिक संगठनों ने तो इस मॉल का बॉयकट करने के बाद कही है। हिन्दूओं से अपील की जा रही है कि वहां से कोई खरीदारी ना करें। इन सबके बीच अयोध्या में हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने भी चेतावनी दे दी है। राजू दास ने साफ तौर पर कहा कि अगर लुलु मॉल में नमाज पढ़ी जाएगी तो वह वहां हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। ऐसा करने से उनको कोई नहीं रोक पाएगा। खुद को महासभा का राष्ट्रीय प्रवक्ता बताने वाले शिशिर चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि एक समुदाय विशेष के लोगों को मॉल के अंदर नमाज पढ़ने की अनुमति दी जा रही है। तब तो मॉल के अधिकारियों को हिंदुओं तथा अन्य धर्मावलंबियों को भी मॉल के अंदर प्रार्थना करने की इजाजत देनी चाहिए। चतुर्वेदी ने दावा किया कि उसे तथा महासभा के अन्य साथियों को मॉल के अंदर दाखिल होने की इजाजत नहीं दी गई।

इस बीच, लुलु मॉल के महाप्रबंधक समीर वर्मा ने एक वीडियो जारी कर कहा लुलु मॉल सभी धर्मों का आदर करता है। मॉल के अंदर किसी भी तरह का धार्मिक कार्य या इबादत की इजाजत नहीं है। हम अपने स्टाफ तथा सुरक्षा कर्मियों को ऐसी गतिविधियों पर नजर रखने का प्रशिक्षण देते हैं। धरना प्रदर्शन के दौरान सुशांत गोल्फ सिटी थाने के कुछ पुलिसकर्मी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लुलु मॉल के बाहर पहुंचे। उसके बाद शिशिर चतुर्वेदी और संगठन के अन्य लोगों ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया मॉल के अंदर नमाज पढ़ी गई जो कि सार्वजनिक स्थलों पर नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं होने संबंधी नीति के खिलाफ है। सोशल मीडिया पर प्रसारित खबरों के मुताबिक लुलु मॉल में पुरुष कर्मचारियों में 70ञ मुस्लिम हैं और 30ञ महिला कर्मचारी हिंदू समुदाय से है। ऐसा करके लुलु मॉल प्रबंधन लव जिहाद को बढ़ावा दे रहा है। महासभा के सदस्यों ने पुलिस से शुक्रवार को लुलु मॉल के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की अनुमति भी मांगी है। इस बीच, पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि महासभा सदस्यों द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत पर गौर किया जा रहा है। जहां तक अनुमति का सवाल है, तो इसके लिए निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार संबंधित विभागों से विचार-विमर्श कर निर्णय लिया जाएगा।

दिल्ली-मुंबई के बीच इलेक्ट्रिक हाईवे बनाने की योजना ट्रॉलीबस की तरह ट्रॉलीट्रक भी चलेंगे-गडकरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार दिल्ली और मुंबई के बीच इलेक्ट्रिक हाइवे बनाने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को यह जानकारी दी। गडकरी ने बीते दिन नई दिल्ली में हाइड्रॉलिक ट्रेलर ओनर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली और मुंबई के बीच इलेक्ट्रिक राजमार्ग की योजना बना रही है। इलेक्ट्रिक हाईवे आमतौर पर ऐसी सड़क होती है जिस पर चलने वाले वाहनों को बिजली की आपूर्ति की जाती है। यह बिजली सड़क के ऊपर लगे तारों से वाहन तक पहुंचाई जाती है। उन्होंने कहा कि आप ट्रॉलीबस की तरह ट्रॉलीट्रक भी चला सकते हैं। मालूम हो कि ट्रॉलीबस इलेक्ट्रिक बस होती है जो ओवरहेड तारों से होने वाली बिजली आपूर्ति से चलती है। इस मौके पर गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने सभी जिलों को चार लेन वाली सड़कों से जोड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार 2.5 लाख करोड़ रुपये मूल्य की सुरंगों का भी निर्माण कर रही है।

'सर तन से जुदा' का नारा लगाने वाला अजमेर दरगाह का खादिम गौहर चिश्ती गिरफ्तार

हैदराबाद। अजमेर दरगाह के मुख्य द्वार पर 17 जून को भीड़ के सामने सर तन से जुदा का नारा देने वाले अजमेर दरगाह के खादिम गौहर चिश्ती को अजमेर पुलिस ने हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया है।

भड़काऊ भाषण मामले में वांछित गौहर चिश्ती एक जुलाई से ही हैदराबाद में छिपा हुआ था। अजमेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि भड़काऊ भाषण मामले में फरार चल रहे गोहर चिश्ती को पकड़ने के लिए 7 टीमें बनाई गयी थीं। उन्होंने कहा कि अजमेर पुलिस का दल उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर आया है। उन्होंने बताया कि गौहर चिश्ती के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के मामले में 25 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उसके बाद से वह फरार चल रहा था और 29 जून के बाद से वह राजस्थान के बाहर चला गया था।

वहीं अजमेर के एसपी चुना राम जाट ने कहा है कि गौहर चिश्ती के बैंक खातों की भी जांच होगी और उसके सभी संपर्कों की भी जांच की जायेगी। उन्होंने कहा कि गौहर चिश्ती और उसके पनाहगार की आज कोर्ट में पेशी की जायेगी। उन्होंने कहा कि इसके बैंक खातों की जानकारी और इसके किस-किस के साथ और किन घटनाओं में संबंध हैं उसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। कॉल डिटेल्स की भी जानकारी की जा रही है।

द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेंगे ओपी राजभर, बोले- समाजवादी पार्टी के नेता को हमारी जरूरत नहीं

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज है। उत्तर प्रदेश का भी इसको लेकर नई तरह की राजनीति देखने को मिल रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ लगातार हमलावर रहने वाले और

फिलहाल अखिलेश यादव के साथ गठबंधन में शामिल ओमप्रकाश राजभर ने राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार द्रोपदी मुर्मू के समर्थन का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने जबरदस्त तरीके से अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुझे बुलाकर कहा कि आप पिछड़े, दलित, वंचित की लड़ाई लड़ते हैं।

भारी बारिश के बाद अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा गुरुवार सुबह (14 जुलाई) खराब मौसम के कारण अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई थी। पहलगाम और बालटाल दोनों शिविरों से किसी भी तीर्थयात्री को पवित्र गुफा की ओर जाने की अनुमति नहीं थी। इससे पहले 5 जुलाई को भारी बारिश और 8 जुलाई को भारी बादल फटने के बाद यात्रा रोक दी गई थी। आपको बता दें कि 1.44 लाख से अधिक यात्रियों ने चल रही अमरनाथ यात्रा की है, क्योंकि गुरुवार को 5,449 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से घाटी के लिए रवाना

हुआ। अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने कहा कि अब तक 1,44,457 तीर्थयात्रियों ने यात्रा की है, जबकि इनमें से 16,457 ने बुधवार को दर्शन किए। 5,449 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से यात्रा के लिए दो अनुरक्षण काफिले में रवाना हुआ।इनमें से 3783 पहलगाम आधार शिविर जा रहे हैं जबकि 1666 बालटाल आधार शिविर जा रहे हैं।

छोटे बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, जबकि लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए चार दिनों के लिए 48 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है।

15 हजार करोड़ में बनेगा इंदौर-हैदराबाद एक्सप्रेस-वे

भोपाल। इन दिनों केन्द्र सरकार दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के निर्माण में तेजी से जुटी है। वहीं पिछले दिनों ही 119 किलोमीटर लम्बाई के प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्गों के सुधार के लिए भी 600 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की है। वहीं इंदौर से हैदराबाद एक्सप्रेस-वे भी बनेगा, जिस पर लगभग 15 हजार करोड़ रुपए की बड़ी राशि खर्च की जाएगी।

768 किलोमीटर की लम्बाई का यह एक्सप्रेस-वे बुरहानपुर, जलगांव और नांदेड़ को भी इंदौर से जोड़ेगा और वहीं से हैदराबाद तक इसे बनाया जाएगा। इतना ही नहीं, प्रदेश के सभी 52 जिलों को भी नेशनल हाईवे से जोड़ा जा रहा है। वहीं इंदौर-ब्यावरा फोरलेन पर 897 करोड़ की राशि खर्च की जा रही है, तो 283 करोड़ रुपए इंदौर बायपास की सर्विस रोड के साथ-साथ तीन ओवरब्रिजों के लिए भी परिवहन मंत्रालय ने मंजूर की है।

इंदौर बायपास की सर्विस रोड अभी शुरुआती बारिश में ही उखड़ गई है और बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। नगर निगम शहरी क्षेत्र से जुड? वाले सर्विस रोड के निर्माण कार्य को करेगा, जिसके लिए 83 करोड़ रुपए की राशि केन्द्र सरकार ने पिछले दिनों मंजूर की है। वहीं एमआर-10 सहित तीन ओवरब्रिज भी 200 करोड़ रुपए की राशि से बनाए जाना है। पिछले दिनों निगम ने बायपास के सर्विस रोड को चौड़ा करने की कवायद शुरू की और चिन्हित किए गए 650 अवैध निर्माणों को नोटिस भी जारी किए गए। वहीं इंदौर-ब्यावरा फोरलेन पर भी 897 करोड़ की राशि खर्च होगी। कुछ समय पूर्व इंदौर आए परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हजारों करोड़ रुपए की सौगात देने की घोषणा भी की थी। वहीं इंदौर से हैदराबाद एक्सप्रेस-वे भी बनाया जाएगा। उसके लिए भी केन्द्रीय परिवहन मंत्रालय राशि देगा।

श्री गडकरी ने पिछले दिनों इस एक्सप्रेस-वे की घोषणा उज्जैन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की थी। इसके साथ ही प्रदेश में 534 किलोमीटर लम्बाई की सड़क का शिलान्यास भी किया, जिस पर 6 हजार करोड़ रुपए की राशि खर्च हो रही है। इसमें सबसे बड़ा प्रोजेक्ट इंदौर-हैदाबाद एक्सप्रेस-वे भी रहेगा, जिसकी लागत 15 हजार करोड़ रुपए आंकी गई है। अगले कुछ ही दिनों बाद इंदौर में इस एक्सप्रेस हाईवे निर्माण के लिए भूमिपूजन भी करेंगे। ये एक्सप्रेस-वे 768 किलोमीटर लम्बाई का रहेगा और इससे बुरहानपुर, जलगांव, नांदेड़ भी जुड़ेगा और इंदौर से कई शहरों की सीधी कनेक्टीविटी हो सकेगी।

अभी केन्द्र सरकार अपने सबसे महत्वकांक्षी दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर काम कर रही है। मध्यप्रदेश में भी इस एक्सप्रेस-वे पर 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की जा रही है और यह एक्सप्रेस-वे उज्जैन से मिलेगा, जिसके चलते उज्जैन से मुंबई भी 8 घंटे में पहुंचा जा सकेगा और दिल्ली का सफर भी 6 घंटे तक सिमट जाएगा। केन्द्र सरकार दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक लाख करोड़ रुपए की राशि खर्च कर रही है और इससे इंदौर सहित प्रदेश के कई जिलों को बेहद लाभ होगा। इतना ही नहीं, इंदौर सहित सभी जिले नेशनल हाईवे से भी जोड़े जा रहे हैं। 5 हजार किलोमीटर लम्बाई के राष्ट्रीय राजमार्ग अब 9 हजार किलोमीटर लम्बाई के हो गए हैं।

इंदौर के देवगुराड़िया शिव मंदिर में श्रावण में लगता है भक्तों का मेला, हर दिन होता जलाभिषेक

इंदौर। इंदौर से 12 किलोमीटर दूर नेमावर रोड पर देवगुराड़िया स्थित शिव मंदिर भक्तों के बीच आस्था का केंद्र है। यहां का शिवलिंग गुटकेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। श्रावण माह में यहां हर दिन सैकड़ों लोग जलाभिषेक करते हैं। श्रावण में भक्तों का मेला लगता है।

विशेषता : मंदिर परिसर स्थित जलकुंड स्थान की सुंदरता में चार चांद लगाता है। श्रावण मास में अधिक बारिश होने पर गोमुख से निकले जल से शिवलिंग का अभिषेक होता है। यहां नाग-नागिन का जोड़ा भी नजर आ जाता है।

मंदिर के द्वार की कारीगरी 11-12वीं शताब्दी की है। इस प्राचीन मंदिर के बारे में अलग-अलग मान्यताएं प्रचलित हैं। श्रावण मास में यहां शहरी और ग्रामीण भक्तों की दर्नशन-पूजन के लिए कतार लगती है। शिव मंदिर प्राचीन मंदिरों में शामिल हैं। इस स्थान को गरुड़ तीर्थ के नाम से जाना जाता है। 1784 में महेश्वर से इंदौर आगमन के दौरान देवी अहिल्या बाई यहां दर्शन-पूजन के लिए आई थीं। इस बात का उल्लेख होलकरकालीन दस्तावेज में मिलता है।

मान्यता : भक्तों के बीच मान्यता है कि भगवान के गुटकेश्वर स्वरूप के पूजन से व्यक्ति की मनोकामना पूरी होती है। भक्तों का मत है कि श्रावण मास और महाशिवरात्रि पर यहां जलाभिषेक करने से मनोकामना पूरी होती है। यह भी कहा जाता है कि इस क्षेत्र में ध्यान-साधना से आध्यात्मिक विकास तेजी से होता है।

इस बार : पिछले दो वर्ष से कोरोना के चलते दर्शन-पूजन में कोरोना प्रोटोकाल का सख्ती से पालन हो रहा था। इस बार भक्त कतारबद्ध होकर दर्शन-पूजन और जलाभिषेक कर सकेंगे।

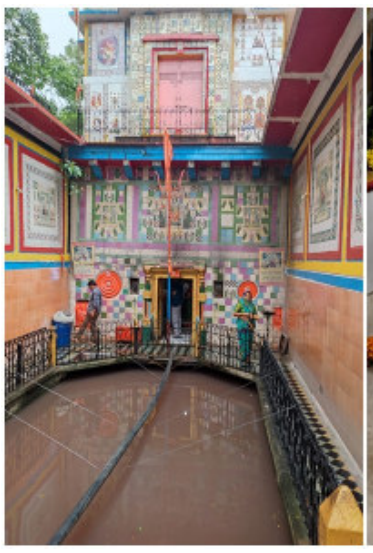

होलकर शासक भी दर्शन के लिए आते थे - मंदिर के महंत रितेश पुरी का कहना है कि यूं तो यहां वर्षभर भक्त दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, लेकिन श्रावण सोमवार और महाशिवरात्रि पर कतार लगती है। महाशिवरात्रि पर मेला भी लगता है। तत्कालीन होलकर शासक भी यहां दर्शन के लिए आते थे।

दर्शन-पूजन से पूरी होती है मनोकामना पूरी - श्रद्धालु उमेश चौधरी का कहना है कि पूरे श्रावण मास में यहां दर्शन-पूजन के लिए आता हूं। यह क्रम 10 वर्ष से जारी है। श्रावण में मेरी तरह रोजाना दर्शन करने आने वाले कई श्रद्धालु आते हैं। भक्तों की दर्शन-पूजन से मनोकामना पूरी होती है।

बेटमा-कुटी मार्ग को फोरलेन बनाएं

बेटमा। बेटमा-कुटी मार्ग स्थित पुलियाओं की ऊंचाई बढ़ाने व मार्ग को फोरलेन करने की मांग को लेकर क्षेत्र के लोगों ने सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन नायब तहसीलदार नीरज प्रजापति को दिया।

ज्ञापन पूर्व जनपद सदस्य पोपसिंह मालवीय केनेतृत्व में दिया गया। ज्ञापन का वाचन रवि कनोदिया ने किया। ज्ञापन में बताया गया कि बारिश के मौसम में बेटमा-कुटी मार्ग पर बालाजी बदीपुरा, रणमल बिल्लोद व कालीबिल्लोद स्थित रपटों पर पूर का पानी आ जाने के दौरान मार्ग अवरुद्घ हो जाता है। ऐसे में मार्ग से गुजरने वाले राहगीर और पीथमपुर की कंपनियों में काम करने वाले लोग घंटों यहां फंसे रहते हैं और पूर उतरने का इंतजार करते हैं। वहीं कई लोग अपनी जान जोखिम में डाल कर रपट में से निकलते हैं, जिससे हादसा होने का भय बना रहता है।

यहां रपट पार करने के दौरान हुए पूर्व में हुए हादसे में लोगों की जान भी जा चुकी है। रपट पर पूर आने से कई घंटे यह मार्ग बंद रहता है। ऐसे में वैकल्पिक मार्ग नहीं होने के चलते हर साल बारिश में बेटमा-कुटी मार्ग पर पड़ने वाले लगभग आधा दर्जन गांवों का संपर्क नगर से टूट जाता है। इस मार्ग से गुजरने वाली स्कूल बसें भी घंटों आई रपट में उलझ जाती हैं। वहीं एमरजेंसी के दौरान वाहन नहीं निकल पाने से मरीजों व डिलेवरी वाली महिलाओं की जान जोखिम में पड़ जाती है। यह मार्ग पीथमपुर से भी जुड़ा होने के कारण इस मार्ग 24 घंटे यातायात का दबाव बना रहता है। इसलिए इस मार्ग की पुलियाओं की ऊंचाई बढ़ाई जाए। साथ मार्ग को फोरलेन में तब्दील किया जाए। उल्लेखनीय है कि बारिश में हर साल यह समस्या परेशानी खड़ी करती है। इसके बावजूद क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व नेताओं ने पुलियाओं की ऊंचाई बढाने को लेकर आज तक किसी प्रकार का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया है। यही कारण है कि समस्या के समाधान हेतु अब क्षेत्रवासियों को आगे आने पड़ा है। आभार निलेश गोस्वामी ने माना। ज्ञापन के दौरान सोहन सोलंकी, गौतम सालवी, मीथन चायडीपुरा, गोविंद दरबार, नरेंद्र सूर्यवंशी, बंटी कुमरावत उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री शुक्ला और एसपी डॉ. सिंह ने दूसरे चरण के मतदान के दौरान पल-पल की गतिविधियों पर रखी नजर

देवास। देवास जिले में नगरीय निकाय निर्वाचन के दूसरे चरण में नगर पालिक निगम देवास, नगर परिषद सोनकच्छ, पीपलरांवा, भौंरासा एवं टोंकखुर्द में मतदान हुआ। कलेक्टर श्री चन्द्रमौली शुक्ला और पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवदयाल सिंह ने दूसरे चरण के मतदान के दौरान पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखी।

कलेक्टर श्री शुक्ला और एसपी डॉ. सिंह ने देवास में मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री शुक्ला ने मतदानकर्मियों

से मतदान केंद्र पर कितने प्रतिशत मतदान हुआ, बूथ पर कितने मतदाता है के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदानकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री विशाल सिंह चौहान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नगरीय निकाय निर्वाचन के दूसरे चरण में मतदाताओं ने बारिश होने के बावजूद उत्साह से मतदान किया। मतदान में मतदाताओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। युवा मतदाता, बुजुर्ग मतदाता सभी ने उत्साह से मतदान किया। बुजुर्ग मतदाता अपने परिवार के साथ मतदान के लिए पहुंचे। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही लम्बी-लम्बी लाइन लगना शुरू हो गयी थी। जिला प्रशासन द्वारा बारिश से निपटने के लिए मतदान केन्द्र पर वाटर प्रुफ टेंट लगाये गये।

मुख्यमंत्री श्री चौहान गुरू पूर्णिमा पर पहुँचे करूणाधाम आश्रम

श्रद्धालुओं के साथ गुरू पूर्णिमा पर्व में लिया हिस्सा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरू पूर्णिमा पर नेहरू नगर स्थित करूणाधाम आश्रम जाकर गुरू पूर्णिमा पर्व में हिस्सा लिया। उन्होंने आश्रम स्थित मंदिर में माथा टेक कर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आश्रम के स्वामी श्री सुदेश शांडिल्य महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह चौहान भी उपस्थित थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गुरू हमारे जीवन को संवार देते हैं। हमारी प्राथमिकता यह होना चाहिए कि अपना जीवन सफल और सार्थक कैसे करें। गुरू हमें सही दिशा और जीवन का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने गुरू की महिमा से जुड़ा एक प्रसंग भी सुनाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उपस्थित श्रद्धालुओं को गुरू पूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएँ दी।करूणाधाम आश्रम के स्वामी सुदेश शांडिल्य महाराज ने कहा कि जब हम गुरू के दर्शन करते हैं या पावन स्थल पर पहुँचते हैं तो आसपास का वातावरण सकारात्मक और ईश्वरमय होता है। स्वामी जी ने मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा पृथ्वी की रक्षा के विचार और प्रतिदिन पौधे लगाने के कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि लाखों लोग ऐसे कार्यों से प्रेरणा लेते हैं।

पायलट प्रोजेक्ट सफल, एसएमएस से ही मिलेंगे बिजली के बिल, 10 दिन में भरने होंगे

भोपाल। भोपाल शहर में बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस से ही बिल भेजे जाएंगे। इन्हें तुरंत जाम किया जा सकेगा। इन बिलों में दी गई राशि को जमा करने के लिए बिजली कंपनी की ओर से 10 दिन की मोहल्लत दी जाएगी। शहर में बीते 15 दिनों से कंपनी ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत इस व्यवस्था को लागू किया था, जिसे अब नियमित कर दिया है। कंपनी ने इस व्यवस्था को इंस्टेंट रीडिंग व्यवस्था नाम दिया है। जिसमें मीटर की रीडिंग लेते ही उसे तुरंत अपडेट किया जाएगा और इसके बाद उपभोक्ताओं के मोबाइल पर एसएमएस भेजे जाएंगे। यह आटोमेटिक व्यवस्था होगी। ये बिल वाट्सएप व ईमेल पर भी भेजे जाएंगे। उपभोक्ता बिजली कंपनी के पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर व ईमेल दर्ज करा सकेंगे।

बता दें कि इन दिनों सायबर ठग कुछ उपभोक्ताओं को मैसेज कर रहे हैं और कहते हैं कि बिल अपडेट नहीं है या बिल की राशि जमा नहीं की है। ये लिंक देते हैं और एप डाउनलोड भी करवाते हैं। राशि जमा कराने का कहते हैं, जो उपभोक्ता कर देते हैं, उनसे ओटीपी पूछकर उनके खातों से रुपये उड़ा देते हैं। कंपनी ने ऐसे ठगों से सावधान रहने के तरीके बताएं है। कहा है कि कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को बिजली बंद करने के लिए एमएसएस नहीं भेजे जाते और न ही काल करते हैं। एमपीएमकेवीवीसीएल द्वारा सीसीएमपीसीजेड सेंडर से बिल की राशि संबंधी एसएमएस किए जाते हैं। किसी अन्य सेंडर या निजी नंबर से आए भ्रामक एसएमएस पर विचार न करें।

ऐसे भरे बिल- - ग्राहक सेवा केंद्र पर जाकर नगद राशि जमा कर सकते हैं। इन केंद्रों पर एटीपी मशीनों की मदद ले सकते हैं। कंपनी के उपाए एप, कंपनी के पोर्टल व सेवा प्रदाता की मदद से आनलाइन बिल जमा कर सकते हैं। अपने मोबाइल फोन की मदद से गूगल-पे, फोन-पे, पेटीएम की मदद से भी बिल जमा किए जा सकते है।

यह बिल्कुल न करें- बिल भरने के लिए लिंक न खोले, उपाए के अलावा कोई एप डाउनलोड न करें। किसी के निजी नंबर पर गूगल-पे, फोन-पे, पेटीएम न करें। किसी को ओटीपी, उपभोक्ता क्रमांक न बताएं।

इंदौर में दूसरे लांचर से भी सेगमेंट लांच, 13 पिलरों को जोड़ने में लगे 170 सेगमेंट

इंदौर। इंदौर में मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है। बुधवार से दूसरे लांचर से भी पिलर पर सेगमेंट लगाने का काम चालू हो गया है। इंदौर में अब तक 13 पिलरों को 170 सेगमेंट की सहायता से जोड़ा जा चुका हैं। पिलर जोड़ने में सेगमेंट की कमी न आए इसलिए यार्ड में 1000 से अधिक सेगमेंट तैयार करके रखे हुए हैं।

मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि एमआर-10 पर पहले ग्राउंड सपोर्ट सिस्टम की मदद से सेगमेंट रखे जा रहे थे, लेकिन इसमें समय लगने के कारण लांचर बुलवाया गया था। इसकी सहायता से अब तक 13 पिलर कवर किए जा चुके हैं। इसकी गति को देखते हुए दूसरा लांचर बुलवा कर विजय नगर से रेडिसन के बीच में रखवाया गया था। इतने दिन तक इसे स्थापित किया गया। बुधवार से इससे काम चालू कर दिया गया है। रात तक करीब तीन सेगमेंट लगा दिए गए हैं। गुरुवार से इसमें तेजी आ जाएगी।

सौ से अधिक पिलर तैयार - एमआर-10 टोल नाका से लेकर रोबोट चौराहे तक 181 पिलर तैयार किए जाने हैं। इसमें से 100 से अधिक पिलर बन गए हैं। यहां मेट्रो ट्रेन स्टेशन का काम भी चल रहा है। इनके डिजाइन भी फाइनल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि अगले साल सितंबर तक इंदौर में गांधी नगर से लेकर रेडिसन तक मेट्रो का ट्रायल रन किया जाना है। इसके लिए काम तेजी से किया जा रहा है। दूसरे चरण में शहर के मध्य क्षेत्र में मेट्रो का काम किया जाएगा। इसको लेकर जल्द ही अधिकारी और जनप्रतिनिधि बैठक करेंगे जिसमें मेट्रो के स्वरूप को लेकर निर्णय होगा।

एमआर-10 पर दिखने लगी झलक - अधिकारियों ने बताया कि कोरोना काल के बाद अब मेट्रो के काम में तेजी आ गई है। सबसे अधिक तेजी से काम एमआर-10 रेलवे ब्रिज के समीप चल रहा है। यहां पिलर पर सेगमेंट लगाने के साथ स्टेशन का काम भी तेजी से चल रहा है। यहां मेट्रो का स्वरूप नजर आने लगा है।

ई-वीजा वाले यात्रियों को लौटाने पर इंदौर के सांसद नाराज,दिल्ली में करेंगे चर्चा

इंदौर। मध्य प्रदेश की एकमात्र सीधी अंतरराष्ट्रीय दुबई उड़ान से बार-बार ई-वीजा धारी यात्रियों के इंदौर आ जाने और इमिग्रेशन विभाग द्वारा उन्हें भारत में प्रवेश नहीं देने से इंदौर के सांसद शंकर लालवानी नाराज हैं। वे इस मामले में एयर इंडिया प्रबंधन से चर्चा करने के साथ दिल्ली में विदेश मंत्रालय में भी चर्चा करेंगे। शनिवार को दुबई से इंदौर आने वाली एयर इंडिया की उड़ान में इस बार इटली का नागरिक इंदौर आ गया था। उसके पास ई-वीजा था। इमिग्रेशन के अधिकारियों ने उसे इंदौर एयरपोर्ट पर ई-वीजा मान्य नहीं होने की बात कह कर एयरपोर्ट से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी थी। दो दिन तक एयरपोर्ट पर रखने के बाद उसे वापस दुबई भेजा गया था। मामले में सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि कोरोना काल के पहले ही इंदौर एयरपोर्ट पर ई-वीजा की सुविधा शुरू करने को लेकर सारी औपचारिकताएं पूरी हो गई थीं, लेकिन अभी तक इसे अनुमति नहीं मिली है। इसे लेकर दिल्ली में चर्चा करूंगा। वहीं, इस मामले में एयर इंडिया के अधिकारियों से भी चर्चा करूंगा।

कलेक्टर श्री शुक्ला ने बाल विहार स्कूल सिविल लाइन देवास मतदान केन्द्र पहुंचकर सपत्नीक किया मताधिकार का उपयोग

देवास। कलेक्टर श्री चन्द्रमौली शुक्ला ने बाल विहार स्कूल सिविल लाइन देवास मतदान केन्द्र पहुंचकर सपत्नीक मताधिकार का उपयोग किया। कलेक्टर श्री शुक्ला ने कहा कि मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह दिख रहा है। बारिश होने के बावजूद मतदाता घरों से निकल कर मतदान केन्द्र पहुंच रहे है। मतदाता निर्वाचन में बढ़चढ़कर हिस्सा ले रहे है। उन्होंने कहा कि मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर शत-प्रतिशत मतदान करें। कलेक्टर श्री शुक्ला ने कहा कि हर मतदान केंद्र पर बारिश से निपटने के लिए मतदान केन्द्र पर वाटर प्रुफ टेंट लगाये गये है। मतदान केन्द्र पर मतदाताओं के बैठने लिए अतिरिक्त दो कक्ष के साथ कॉरिडोर में भी बैठने की व्यवस्था की गई है। पीने के पानी, बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है।

जिले में चलाया जायेगा दस्तक अभियान

इंदौर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में बाल स्वास्थ्य एवं पोषण वृद्धि हेतु शासन द्वारा सतत प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में दस्तक अभियान प्रदेश की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। प्रदेश के अन्य जिलो के साथ-साथ इंदौर में भी दस्तक अभियान चलाया जायेगा। दस्तक अभियान का आयोजन 18 जुलाई से 31 अगस्त तक किया जायेगा। अभियान के अन्तर्गत 5 वर्ष उम्र तक के बच्चों प्रमुख बाल्यकालीन बीमारियों की सक्रिय पहचान एवं प्रबंधन किया जाता है ताकि बाल मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

दस्तक अभियान के दौरान समुदाय में बीमार नवजात और बच्चों की पहचान प्रबंधन एवं रेफरल, शैशव एवं बाल्यकालीन निमोनिया की त्वरित पहचान, प्रबंधन एवं रेफरल, गंभीर कुपोषित बच्चों की सक्रिय पहचान रेफरल एवं प्रबंधन, 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों के गंभीर एनीमिया की सक्रिय स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन, बाल्यकालीन दस्त रोग नियंत्रण हेतु ओ.आर.एस. एवं जिंक उपयोग संबंधी सामुदायिक जागरूकता एवं प्रत्येक घर में ओ.आर.एस. पहुंचाना, 9 माह से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को विटामिन ए अनुपूरण, बच्चों में दिखाई देने वाली जन्मजात विकृतियों एवं वृद्धि विलंब की पहचान, समुचित शिशु एवं बाल आहार पूर्ति संबंधी समझाइश समुदाय को देना, एस.एन.सी.यू. एवं एन.आर.सी. से छुट्टी प्राप्त बच्चों में बीमारी की स्क्रीनिंग तथा फालोअप को प्रोत्साहन, गृह भेंट के दौरान आंशिक रूप से टीकाकृत एवं छूटे हुये बच्चों की टीकाकरण स्थिति की जानकारी लेना आदि गतिविधियां की जायेंगी। दस्तक अभियान के दौरान किये जाने वाले समस्त गतिविधियों के दौरान कोविड-19 सुरक्षा नियमों का पालन किया जायेगा।

Chandra Shekhar Azad

Date of Birth: July 23, 1906

Birth Name: Chandra Shekhar Tiwari
Place of Birth: Bhavra village in Jhabua district of Madhya Pradesh
Parents: Pandit Sita Ram Tiwari (father) and Jagrani Devi (mother)
Education: Sanskrit Pathashala in Varanasi
Association: Hindustan Republican Association (HRA) later renamed Hindustan Socialist Republican Association (HSRA)
Movement: Indian Freedom Struggle
Political Ideology: Liberalism; Socialism; Anarchism
Religious views: Hinduism
Passed Away: February 27, 1931

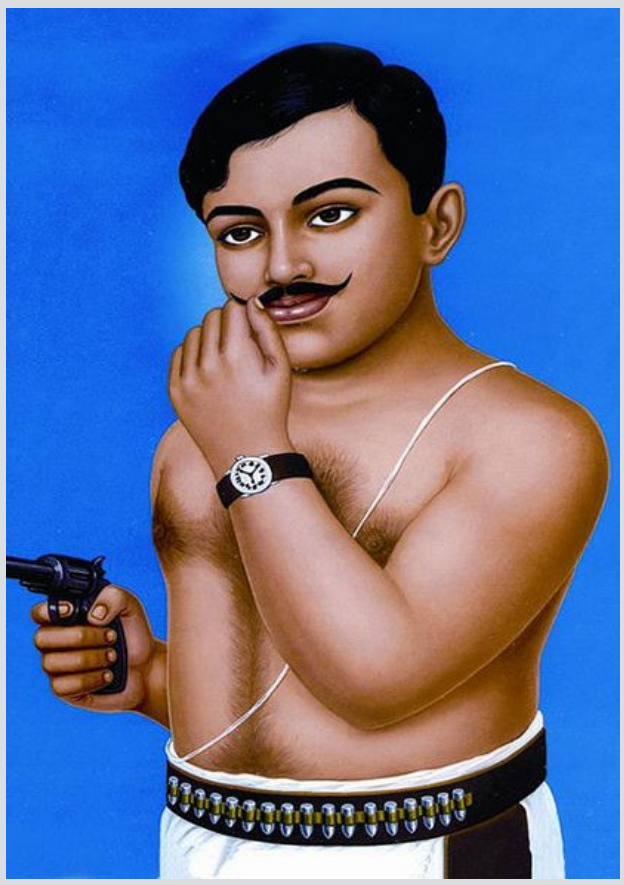

Memorial: Chandrashekhar Azad Memorial (Shahid Smarak), Orchha, Tikamgarh, Madhya Pradesh

Chandra Shekhar Azad was the quintessential firebrand revolutionary who fiercely craved independence for his country. A contemporary of Bhagat Singh, Azad never quite received the same levels of adoration for his deeds, yet his actions were no less heroic. His life-long goal was to create as much problem for the British Government as he could. He was the master of disguises and evaded capture by the British police multiple times. His famous proclamation, 'Dushmano Ki Goliyon Ka Saamna Hum Karenge, /Azad Hi Rahe Hain, aur Azad hi Rahenge', which translates into 'I will face the bullets of the enemies, I have been free and I'll forever be free', is exemplary of his brand of revolution. He embraced martyrdom like an old friend and inspired a fierce sense of nationalism in the hearts of his contemporaries.

Childhood & Early Life

Chandra Shekhar Azad was born Chandra Shekhar Tiwari, to Pandit Sita Ram Tiwari and Jagrani Devi on July 23, 1906 in Bhavra village in Jhabua district of Madhya Pradesh. Chandra Shekhar grew up with Bhils who inhabited the area and learnt wrestling, swimming along with archery. He was an ardent follower of Lord Hanuman from a young age. He practiced javelin throwing and developed an enviable physique. He received his early schooling in Bhavra. For higher studies he went to a Sanskrit Pathashala in Varanasi. As a child Chandrashekhar was wayward and preferred outdoors. As a student he was average but once in Benares, he came in contact with several young nationalists.

Revolutionary Activities

The Jallianwallah Bagh Massacre took place in 1919 and the brutal deed of British oppression had reverberating effect on the Indian Nationalist movement. The blatant disregard exhibited by the British towards basic human rights and unnecessary use of violence on a group of unarmed and peaceful people, incited a burst of hatred from the Indians directed towards the British Raj. The nation was gripped by this anti-British euphoria and Chandra Shekhar was part of a group of young revolutionaries who dedicated their lives towards a single goal – securing freedom for his beloved motherland by driving the British away from India.

Early Days: Chandrashekhar Tiwari to Chandra Shekhar Azad

The first wave of nationalist sentiments was awakened by the Non-cooperation movement declared by Gandhiji during 1920-1921. Chandra Shekhar rode this wave when he was a mere teen and participated in the various organised protests with much gusto. 16-year-old Chandra Shekhar was arrested in one of these demonstrations. When asked his name, residence and that of his father, he replied to the authorities, that his name was 'Azad' (free), his father's name 'Swatantrata' (Freedom) and his residence as the prison cell. He was sentenced to receive 15 whiplashes as punishment. He bore those with ample nonchalance and came to be revered as Chandra Shekhar Azad from then on.

Hindustan Republican Association (HRA) & Azad

The announcement to suspend the non-cooperation movement came as a blow to the nascent Indian Nationalist Sentiments. Azad was much agitated in its aftermath and decided that a fully aggressive course of action was more suitable for his desired outcome. He met Ram Prasad Bismil, the founder of Hindustan Republican Association through Pranavesh Chatterji. He joined the HRA and concentrated his efforts on collecting funds for the association. He planned and executed daring attempts to rob government treasury to raise funds in order to further their revolutionary activities.

Kakori Conspiracy

Ram Prasad Bismil conceived the idea of looting a train carrying treasury money to fund acquiring of weapons for revolutionary activities. Bismil had noticed several security loopholes in trains carrying treasury money and a suitable plan was devised. They targeted the No. 8 Down train travelling from Shahjahanpur to Lucknow and intercepted it at Kakori. They stopped the train by pulling the chain, overpowered the guard and took 8000 rupees from the guard cabin. In the ensuing gunfight between the armed guards and the revolutionaries, one passenger died. The government declared this as murder and launched an intense manhunt to round up the involved revolutionaries. Azad evaded arrest and carried on revolutionary activities from Jhansi.

Lahore Conspiracy

Azad took a long detour and finally reached Kanpur where the headquarters of the HRA was based. There he met other firebrands like Bhagat Singh, Rajguru and Sukhdev. Pumped with renewed enthusiasm, he reorganised the HRA and renamed it as Hindustan Socialist Republican Association or HSRA together with Bhagat Singh. On October 30, 1928, Lala Lajpat Rai led a peaceful protest against the Simon Commission at Lahore. Police Superintendent James Scott ordered lathi strike to thwart the advancement of the march. Lalaji was severely injured in the process and died on November 17, 1928 as a result of the wounds. Azad and his peers held the police superintendent responsible for Lala's death and they vowed to extract revenge. Together with Bhagat Singh, Sukhdev Thapar and Shivaram Rajguru, he plotted the assassination of Scott. On December 17, 1928, the plan was executed but a case of mistaken identity led to the killing of John P. Saunders, an Assistant Superintendent of Police. The HSRA claimed responsibility for the event the next day and the involved people shot to the top of the British's most wanted list. Bhagat Singh was arrested following his demonstration in the Central Legislative Assembly in Delhi on April 8, 1929. When the HSRA bomb factories in Lahore and Saharanpur were busted, some of the members turned approver for the state. As a result around 21 members were arrested including Rajguru and Sukhdev. Azad along with 29 others were charged in the Lahore Conspiracy Case Trial, but he was among the few who the British authorities were unable to capture.

Martyrdom

Azad's impact on the British Raj law enforcement faction was evident from how much effort they put to capture him, dead or alive. They even announced a reward of Rs. 30,000 on his head. The huge amount of money led to vital information on the whereabouts of Azad. On February 27, 1931 Chandrashekhar Azad was meeting with friends at Alfred Park, Allahabad. A pre-informed police surrounded the park and asked Chandrashekhar Azad to surrender. Azad fought valiantly to allow his friends safe passage and killed three policemen. Though his shooting skills were immensely sharp, he started receding and was badly injured. After nearly exhausting his ammunition and foreseeing no means of escape, he shot himself in the head with his last bullet. He upheld his vow never to be captured by the British.

Legacy

Chandra Shekhar Azad's true legacy lies in his indomitable urge to remain free forever. His name instantly brings into fore, a one man army who shook the foundations of the British Raj. Azad's activities inspired awe from his contemporaries and the future generation, who whole-heartedly dedicated their lives to the freedom struggle. At the same time, he became a real problem for the British authorities. What Azad gifted to his countrymen is a fierce longing to be free of the oppressive shackles that British Imperialism was imposing. A grand departure from the non-violent route that Gandhi and the Congress adopted to attain self-rule, Azad's way of violent usurping freedom set the patriotic sentiments of Indians on fire. He is still remembered as one of the bravest and awe-inspiring figures of Indian armed revolution. The tales of his heroic escape evading capture is the stuff of legends. He dreamt of a free India based on socialist ideals and committed himself towards realizing his dream. His contributions did not lead to immediate freedom, but his grand sacrifice intensified the fire in Indian revolutionaries to fight the British rule even more fiercely.

सावन के झूले

सावन आयो, झूले पड़ गयो,
सखी रे, सावन आयो

सावन का महीना आते ही गांव के मोहल्लों में झूले पड़ जाते हैं और सावन की मल्हारें गूंजने लगती हैं। ग्रामीण युवतियां महिलाएं एक जगह देर रात तक श्रावणी गीत गाकर झूला झूलने का आनंद लेती हैं। वहीं जिन नव विवाहिता वधुओं के पति दूरस्थ स्थानों पर थे उनकों इंगित करते हुए विरह गीत सुनना अपने आप में लोक कला का ज्वलंत उदाहरण हुआ करते थे। झूले की पैंगों पर बुदियों भी जोशीले अंदाज में गायन शैली मात्र यादों में सिमट कर रह गई है। सामाजिक समरसता की मिसाल, जाति पाति के बंधन से मुक्त अल्हड़पन लिए बालाएं उनकी सुरीली किलकारियां भारतीय सभ्यता को अपने में समेटे हुए सांकेतिक लोकगीत जैसे किसी दिली आकांक्षा की कहानी क्यों करते थे उसका अंदाज ही निराला है।

सावन को अपनी मस्ती में सराबोर देखना हो, तो किसी भी गाँव में चले जाएँ, जहां पेड़ों पर झूला डाले किशोरियाँ, नवयुवतियाँ या फिर महिलाएँ अनायास ही दिख जाएँगी. सावन के ये झूले मस्ती और अठखेलियों का प्रतीक होते हैं । पूरे गाँव में आम, नीम, इमली के पेड़ों पर कई जगह झूले बाँधे जाते थे, हम सब उस पर झूलते थे. ऐसा नहीं था कि केवल किशोरियाँ या स्त्रियाँ ही झूलती हों. किशोर, अधेड़, बच्चे सभी झूलते थे. विशेष बात यह थी कि सभी जाति के लोग झूलते थे. जिस झूले पर ब्राह्मण का छोरा झूलता, उसी पर पहले या बाद में हरिजन की छोरी या छोरा भी झूलता था. एक बात अवश्य थी, सब साथ-साथ नहीं झूलते थे।

जातिगत दूरी बनी ही रहती थी. यह दूरी झूले, रस्सी, पेड़ और स्थान को लेकर नहीं थी, व्यक्ति को लेकर थी. कुछ लोग हमें अपने समय पर झूलने का आनंद नहीं लेने देते थे. हम साथियों के साथ उन्हें झूलता देखते रहते. दिन में तो हमें झूलने का अवसर कम ही मिलता. पर रात को, उस वक्त तो मैदान साफ मिलता. हम कुछ लोग रात में ही झूलते. खूब झूलते । सावन का झूला हम सबको मिला है माँ की बाँहों के झूले के रूप में. कभी पिता, कभी दादा-दादी, नाना-नानी, चाचा-चाची, भैया-भाभी या फिर दीदी की बाँहों का झूला. भला कौन भूल पाया है?

स्वास्थ्यवर्धक हैं सावन के झूले - प्राचीन काल से परम्परागत रूप से सावन में झूला झूलने को प्राचीन परम्परा परिपालन या मात्र मनोरंजन की दृष्टि से नहीं देखिए। इन झूलों में झूलने से अच्छे स्वास्थ्य का लाभ भी मिलता है। ज्येष्ठ महीने की तपन और आषाढ़ के उमस भरे दिनों के पश्चात् सभी को सावन की ठण्डी फुहारों, मनोरम मौसम की विकलता से प्रतीक्षा होती है। सावन की रिमझिम बरसती बूंदें जब प्यासी धरती पर पड़ती है, उस समय मिट्टी से उठने वाली सोंधी-सोंधी सुगन्ध सभी का मन मोह लेती है। उस महीने में जितने तीज त्यौहार आते हैं संभवतरू उतने अन्य किसी महीन में नहीं आते। सावन के महीने में झूला झूलने की परम्परा सदियों में चली आ रही है।

वैसे तो वर्तमान से सबी के घरों में बारहमासी झूला स्थापित होता है जो हाल में, कमरे में, लान में, छज्जा में, छत में या पोर्च में कहीं न कहीं लगा होता है किन्तु सावन में उपवन में लगे झूले के प्रति मन में विशेष उल्लास, उमंग, उत्कंठा होती है। वास्तव में झूला झूलना मात्र आनंद की अनुभूति नहीं कराता अपितु यह स्वास्थ्यवर्धक प्राचीन योग है जो सावन के मनोरम मौसम के कारण प्रदूषण मुक्त कई शुध्द वायु देता है और स्वास्थ्य प्रदायक है। सावन महीने की विशेषता है कि इस माह हवा अन्य महीनों की तुलना में अधिक शुध्द होती है।

वर्षा होने से हवा में उड़ने वाले धूल, धूएं के कण, पानी में घुलनशील सभी हानिकारक गैसें भी वर्षा के जल के साथ-साथ धरती पर आती हैं और भूमि में समा जाती हैं और शुध्द हवा में झूलना स्वास्थ्य के लिए उत्तम है। सावन में चहुंदिशा हरियाली छाई होती है। हरा रंग आंखों पर अनुकूल प्रभाव डालता है। इससे नेत्र ज्योति बढ़ती है। झूलते समय दृश्य कभी समीप और कभी बंद होती हैं। इस सब सह उपक्रम के कारण सावन में झूले के माध्यम से नेत्रों का सम्पूर्ण व्यायाम हो जाता है। जो नेत्र-हितकारी है। झूला झूलने से हमारे मन मस्तिष्क में हर्ष और उल्लास की वृध्दि होती है। इसके कारण ग्रीवा की नसों में पैदा होने वाला तनाव न्यून होता है जिससे स्मरण शक्ति तीव्र होती है। झूला झूलते समय श्वांस-उच्छ्वास लेने की गति में तीव्रता आती है।

इससे फेफड़े सुदृढ़ होते हैं। इसके साथ ही झूलते समय श्वांस अधिक भरा, रोका एवं वेग से छोड़ा जाता है। इससे नवीन प्रकार का प्राणायाम पूर्ण हो जाता है जो स्वास्थ्य सहयोगी है। झूलते समय डोरे (रस्सी) पर हाथों की पकड़ सुदृढ़ होती है। इसी प्रकार खड़े होकर झूलते समय झूले को गति देने बार-बार उठक-बैठक लगानी पड़ती हैं। इन क्रियाओं से एक ओर हाथ, हथेलियों और उंगलियों की शक्ति बढ़ती है वहीं दूसरी ओर हाथ-पैर और पीठ-रीढ़ का व्यायाम हो जाता है। यह अच्छे स्वास्थ्य का कारक है।

सावन के महीने में नवविवाहित महिलाओं को अपने मायके जाने की परंपरा ब्रज क्षेत्र की संस्कृति में अधिक परिलक्षित होती है, जो आज भी अनवरत रूप से चली आ रही है। इसलिए सावन के महीने में ब्रज क्षेत्र के घर-घर और गली-मोहल्लों में झूले पर झूलती हुई अविवाहित कुमारियाँ अपने माता-पिता और सगे-संबंधियों से यह आग्रह करती हैं कि उनका विवाह कहीं पास के गाँव में ही किया जाय, न कि कहीं ज्यादा दूर के गाँव में, अन्यथा कहीं ऐसा न हो कि उसके माता-पिता और रिश्तेदार सावन के महीने में उसे अपने घर बुला भी न पाएँ।

भगवान कृष्ण और राधा की रासभूमि पर सावन की बहार में स्वयं भगवान भी झूलने का मोह संवरण नहीं कर पाते। सावन के दिनों में ब्रज में रिमझिम-रिमझिम बरसात में भगवान राधा-कृष्ण को भी झूलों पर झुलाया जाता है। भगवान के झूलों को हिंडोला कहते हैं। ब्रज के मंदिरों में विशेष प्रकार के झूले डालकर और उनमें आराध्य देव की प्रतिमाओं को बिठाकर झूला झुलाने की प्रथा यहाँ अनादिकाल से चली आ रही है। सावन के महीने में मंदिरों में विभिन्न प्रकार की झाँकियाँ सजाई जाती हैं और भक्त गण भगवान के झूले की डोर को खींचकर उन्हें झुलाने में स्वयं को कृतार्थ समझते हैं और गा उठते हैं - सावन के झूले पड़े।

सावन महीने में महिलाओं और लड़कियों की बगीचों में झूला झूलने की वर्षों पुरानी परपंरा है. सावन के महीने में हर गांव की महिलाएं और लड़कियां आम, कदम और महुआ के पेड़ों में झूला डालकर सावन के झूले का लुत्फ उठाती नजर आती हैं। लेकिन अब धीरे-धीरे यह परंपरा खत्म होती जा रही है और अब गांवों में इक्के-दुक्के झूले ही दिखाई दे रहे हैं। सावन में एक ओर शिवालयों में भीड़ बढ़ जाती है, तो दूसरी ओर युवा झूले झूलकर अपने आनंद और उत्साह को दोगुना कर रहे है।

राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू को मिल सकते हैं 60 प्रतिशत से अधिक वोट, जानें किन-किन दलों का हासिल है समर्थन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर देश में राजनीतिक सरगर्मियां तेज है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि देश का अगला राष्ट्रपति कौन होगा? एनडीए की ओर से द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं तो विपक्ष ने यशवंत सिन्हा को भी चुनावी मैदान में उतारा है। कुल मिलाकर देखें तो फिलहाल द्रौपदी मुर्मू का पलड़ा काफी भारी नजर आ रहा है। एनडीए में शामिल दलों के अलावा कई गैर एनडीए दल ने भी द्रौपदी मुर्मू का समर्थन कर दिया है। ऐसे में द्रौपदी मुर्मू के पास बड़ी बढ़त दिखाई दे रही है। द्रौपदी मुर्मू को नवीन पटनायक की बीजू जनता दल, वाईएस चंद्रशेखर रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस, तमिलनाडु की पार्टी एआईएडीएमके, एच डी देवगौड़ा की पार्टी जनता दल सेकुलर, शिरोमणि अकाली दल, शिवसेना, झारखंड मुक्ति मोर्चा और ओमप्रकाश राजभर की पार्टी का समर्थन हासिल है। यह सभी ऐसे दल हैं जो एनडीए में शामिल नहीं हैं। लेकिन राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार के साथ खड़े हैं।

वर्तमान परिस्थिति में देखें तो दावा किया जा रहा है कि एनडीए के उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में बाजी मार सकती हैं और उनकी वोट हिस्सेदारी दो तिहाई के करीब भी पहुंच सकती है। अगर द्रौपदी मुर्मू चुनाव जीतने में कामयाब रहती हैं तो वह देश के शीर्ष संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली पहली आदिवासी महिला बन सकती हैं। द्रौपदी मुर्मू झारखंड की राज्यपाल रह चुकी हैं। इसके अलावा वह ओडिशा सरकार में मंत्री भी रह चुकी हैं। बताया जा रहा है कि मुर्मू की वोट हिस्सेदारी 61 प्रतिशत से ज्यादा हो सकती है, जिसके नामांकन पत्र दाखिल करने के समय करीब 50 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया जा रहा था। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भी गुरुवार को मुर्मू का समर्थन करने की घोषणा की। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उम्मीदवार के पास अब कुल 10,86,431 मतों में से 6.67 लाख से अधिक वोट हैं। इनमें 3.08 लाख वोट सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों के हैं। बीजू जनता दल (बीजद) के करीब 32,000 वोट हैं, जो कुल मतों का करीब 2.9 प्रतिशत है।

ओडिशा की 147 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के 114 विधायक हैं, जबकि भाजपा के 22 विधायक हैं। लोकसभा में बीजद के 12 और राज्यसभा में 9 सदस्य हैं। मुर्मू को अन्नाद्रमुक (17,200 वोट), वाईएसआर-कांग्रेस पार्टी (करीब 44,000 वोट), तेलुगु देशम पार्टी (करीब 6,500 वोट), शिवसेना (25,000 वोट) और जनता दल (सेक्युलर) (करीब 5,600 वोट) का भी समर्थन मिल रहा है। हाल में संपन्न राज्यसभा चुनावों के परिणाम के बाद उच्च सदन में भाजपा सदस्यों की संख्या 92 हो गयी है। लोकसभा में उसके कुल 301 सदस्य हैं। उत्तर प्रदेश समेत चार राज्यों में कुछ महीने पहले संपन्न विधानसभा चुनाव में भाजपा की जबरदस्त जीत से इस दिशा में उसे मजबूती मिली है। उत्तर प्रदेश के प्रत्येक विधायक का राष्ट्रपति चुनाव में मत मूल्य अन्य किसी राज्य के विधायक से अधिक है।

राजग में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के विधायकों की संख्या 2017 के राष्ट्रपति चुनावों के दौरान रही उनकी संख्या से कम है, लेकिन उनके सांसदों की संख्या तब से बढ़ गयी है। मुर्मू अगर राष्ट्रपति बन जाती हैं, तो स्वतंत्रता के बाद जन्मी इस शीर्ष पद पर पहुंचने वाली पहली नेता होंगी। राष्ट्रपति चुनाव के निर्वाचक मंडल में करीब आधा मत मूल्य भाजपा के पास है, जिसमें उसके विधायक भी हैं। सहयोगी दलों जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, अपना दल और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ अन्य दलों के मत जोड़ने से उसकी ताकत और बढ़ जाती है। दूसरी तरफ विपक्षी संप्रग के सांसदों के वोट डेढ़ लाख से कुछ अधिक हैं और राज्यों से उसके विधायकों के मतों की संख्या भी करीब इतनी ही होगी। राष्ट्रपति चुनाव 18 जुलाई को होगा और परिणाम 21 जुलाई को घोषित किये जाएंगे।

बूस्टर डोज़ अभियान की विधिवत शुरूआत 21 जुलाई से: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में आगामी 21 जुलाई से कोरोना नियंत्रण के लिए बूस्टर डोज़ टीकाकरण अभियान की विधिवत शुरूआत की जाएगी। यह अभियान 25 सितम्बर तक जारी रहेगा। हर 15 दिन में टीकाकरण के लिए महाअभियान भी चलाया जाएगा। अधिकाधिक पात्र व्यक्ति बूस्टर डोज़ लगवाकर अभियान को सफल बनाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में कोविड-19 बूस्टर डोज़ टीकाकरण अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ.प्रभुराम चौधरी, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बूस्टर डोज़ लगाए जाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से तैयारी की जाए। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों को दोनों डोज़ लगे हुए 6 माह हो चुके हैं, उन्हें बूस्टर डोज़ लगवाने की पात्रता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिस प्रकार प्रदेश की जनता ने वैक्सीन का पहला और दूसरा डोज़ लगवाने में देश में रिकार्ड स्थापित किया था, उसी तरह इस अभियान को भी सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएँ। उन्होंने निर्देश दिए कि बूस्टर डोज़ लगवाने के लिए लोगों को जागरूक करने में कोई कमी नहीं रहने दी जाए। अधिकाधिक पात्र लोगों को बूस्टर डोज़ लगाया जाए। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह भी ध्यान रखें कि कोई भी पात्र व्यक्ति बूस्टर डोज़ लगवाने से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि अभियान में विभिन्न सामाजिक संगठनों, जन-प्रतिनिधियों, जन अभियान परिषद और क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों आदि को शामिल करते हुए जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जाएँ। विभिन्न प्रचार माध्यमों से जनता से अपील भी की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में कोरोना की स्थिति की जानकारी भी ली। बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान में 928 एक्टिव केस हैं। देश में मध्यप्रदेश अभी 22 वें स्थान पर है। कोरोना की टेस्टिंग लगातार हो रही है। जिस अनुपात में साप्ताहिक केस बढ़ रहे हैं उसी अनुपात में मरीज ठीक भी हो रहे हैं। वर्तमान में इंदौर, भोपाल, जबलपुर, सीहोर और ग्वालियर में ज्यादा प्रकरण आए हैं।

बोगस बिल पकड़े जाने पर टैक्स-ब्याज नहीं, सिर्फ वसूली जाएगी पेनाल्टी

इंदौर। जीएसटी लागू होने के बाद से बोगस बिलों से फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल करने के मामले देशभर में लगातार पकड़े गए हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीआइसी) ने सर्कुलर जारी कर ऐसे मामलों के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं। इनके मुताबिक फर्जी बिल के मामले में टैक्स और ब्याज की देयता नहीं आएगी, सिर्फ पेनाल्टी देनी होगी। जीएसटी विशेषज्ञ सीए सुनील पी जैन ने बुधवार को इंदौर के कर विशेषज्ञों के बीच नए प्रविधानों की समीक्षा करते हुए यह बात कही।

मप्र टैक्स ला बार एसोसिएशन और कमर्शियल टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन (सीटीपीए) ने जीएसटी कानून में हुए ताजा बदलावों को लेकर कार्यशाला रखी थी। विशेषज्ञ वक्ता के तौर पर सीए सुनील पी जैन ने जीएसटी के नए नियमों और संशोधन के असर की व्याख्या की। माहेश्वरी भवन में आयोजित कार्यशाला में 200 से अधिक कर सलाहकार व एडवोकेट मौजूद रहे। जैन ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति दूसरे व्यवसायी को बोगस बिल जारी करता है। इस बिल के आधार पर आइटीसी भी हासिल की जाती है तो चूंकि ऐसे मामले में माल या सेवा की आपूर्ति नहीं की गई, इसलिए टैक्स और ब्याज की देयता नहीं बनती। सिर्फ धारा 122 की पेनाल्टी लगेगी। यदि ऐसे मामले में दूसरा व्यक्ति फर्जी आइटीसी हासिल करता है, लेकिन आगे तीसरे व्यवसायी को वास्तविक आपूर्ति कर देता है तो मामले में आइटीसी की वसूली तो हो सकेगी लेकिन धारा 122 के अधीन 20 हजार से ज्यादा की पेनाल्टी नहीं लग सकेगी।

ई-इनवाइस जारी करना जरूरी - जैन ने कहा कि तीसरी तरह के मामले में यदि तीनों व्यापारियों में सिर्फ फर्जी बिल ही जारी कर आइटीसी ले ली गई तो 20 हजार की पेनाल्टी के साथ बिलों में लगाए गए टैक्स के बराबर की राशि पेनाल्टी के रूप में ली जा सकेगी। कार्यशाला में ला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन लखोटिया ने कहा कि 20 करोड़ से अधिक टर्नओवर वाले व्यापारियों को ई-इनवाइस जारी करना जरूरी हो गया है लेकिन अब भी 250 से अधिक करदाता ऐसा नहीं कर रहे हैं। इन पर पेनाल्टी लगाने की कार्रवाई कभी भी हो सकती है। कार्यशाला में सीटीपीए अध्यक्ष केदार हेड़ा ने भी संबोधित किया।

ये भी हुए बदलाव -गलत आइटीसी हासिल करने पर अब 18 प्रतिशत ब्याज लगेगा

दो करोड़ से कम टर्नओवर पर वार्षिक रिटर्न जीएसटीआर-9 फाइल करने से मुक्ति

किसी का पंजीयन रिटर्न लंबित होने पर निलंबित किया गया है तो रिटर्न फाइल करने पर वह खुद ब खुद बहाल भी हो सकेगा

देरी से जमा टैक्स पर ब्याज की गणना भूतलक्षी प्रभाव यानी एक जुलाई से प्रभावी हो जाएगी।

इंदौर में कार चालक ने कुत्ते को कुचला, प्रकरण दर्ज

इंदौर। कार चालक ने एक कुत्ते को टक्कर मार कुचल दिया।पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। तेजाजी नगर थाना पुलिस के मुताबिक फरियादी प्रियांशु जैन उम्र 34 साल निवासी वैभव नगर की शिकायत पर मर्सिडिज कार क्रमांक एचआर 26 डीएन 1850 के चालक के खिलाफ धारा 429 में केस दर्ज किया है।मामला नायता मुंडला सिल्वर स्प्रिंग फेस वन का है।12 जुलाई को दोपहर करीब दो बजे एक कुत्ते को टक्कर मारी और इसके बाद वह कुचलते हुए निकल गया।कुछ देर तड़पने के बाद कुत्ते ने दम तोड़ दिया।घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस को शिकायत की गई थी।जिसके बाद केस दर्ज हुआ।मामले में जांच की जा रही है।

नीमच में सबसे ज्यादा 85.2 प्र.श. और आगर-मालवा जिले में 83.6 प्र.श. हुआ मतदान

इंदौर। मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के अंतिम चरण में आज मालवा-निमाड़ के रतलाम और देवास नगर निगम सहित 13 जिलों खरगोन, खंडवा, उज्जैन, नीमच, देवास, मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, रतलाम, आगर-मालवा, धार, झाबुआ, बड़वानी में अलग-अलग निकायों में मतदान हुआ। कहीं-कहीं बारिश की वजह से मतदान धीमा रहा। नीमच में सबसे ज्यादा 85.2 प्रतिशत मतदान हुआ, आगर मालवा जिले में 83.6 प्रतिशत, मंदसौर, शाजापुर और झाबुआ में 81.2 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां पढ़िए बुधवार को मालवा-निमाड़ अंचल में ऐसे चलता रहा मतदान...

उज्जैन जिले में मतदान केंद्र के बाहर लगी मतदाताओं की कतार, इस दौरान बारिश भी होती रही।

बड़वानी के निवाली में मतदाताओं को दिए पौधे- बड़वानी जिले के निवाली के आदर्श मतदान केंद्र पर मतदान करने के बाद मतदाताओं को एक-एक फल का पौधा दिया जा रहा है। इसे घर आंगन में रोपने का आह्वान किया जा रहा है। सभी दूर सेक्टर मजिस्ट्रेट सेक्टर अधिकारी कर रहे हैं सतत निरीक्षण। नगर परिषद निवाली एवं ठीकरी में 19-19 मतदान केंद्रों पर मतदान हो रहा है। नगर सरकार चुनने को उज्जैन जिले की छह निकायों, महिदपुर, खाचरौद, नागदा, तराना, माकड़ोन और उन्हेल में बुधवार को सुबह 7 से मतदान जारी है। मतदान के लिए लोगों में उत्साह रहा मगर कुछ केंद्रों पर वर्षा की वजह से मतदान कम हुआ। जिला निर्वाचन कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार पहले दो घंटे में सुबह

9 बजे तक सभी 6 निकायों में कुल 19.4 फीसद मतदान हुआ। उज्जैन जिले के 1 लाख 72002 मतदाताओं में से 32744 मतदाताओं ने अपने क्षेत्र का पार्षद चुनने को मतदान किया। उन्हेल में 22.60 फीसद, खाचरोद में 18.66 फीसद, महिदपुर में 18.76 फीसद, नागदा में 18.55 फीसद, माकड़ोन में 24.98 फीसद, तराना में 17.08 फीसद हुआ।

महिदपुर में 18, खाचरौद में 21, नागदा में 36, नगर परिषद तराना, माकड़ोन, उन्हेल में 15-15 वार्ड पार्षद चुनने को 836 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।मतदान शाम 5 बजे तक होगा। इस दिन प्राप्त मतों की गणना और परिणामों की घोषणा 18 जुलाई को की जाएगी। उज्जैन और बड़नगर में 6 जुलाई हुए प्रथम चरण के चुनाव परिणामों की घोषणा इसके एक दिन पहले 17 जुलाई को की जाएगी।

मतगणना कार्य की रिहर्सल 16 जुलाई को होगी- उज्जैन नगर पालिक निगम के महापौर एवं पार्षद पद के चुनाव में पड़े मतों की गणना एवं परिणामों की घोषणा 17 जुलाई को सुबह 9 बजे से शासकीय इंजीनियरिंग कालेज में होना है।

उपभोक्ता रियल टाईम में देख सकेंगे बिजली बिलों का भुगतान

उपभोक्ताओं को वर्चुअल अकाउंट नंबर की सुविधा उपलब्ध

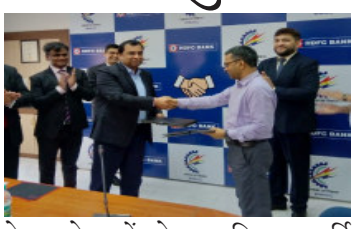

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्य-क्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को दी जा रही सेवाओं का विस्तार करते हुए बिल भुगतान की व्यवस्था को और अधिक सरल एवं सुलभ बनाते हुए वर्चुअल एकाउन्ट नंबर की विशेष सुविधा प्रदान की है। कंपनी ने उपभोक्ताओं को एचडीएफसी बैंक के माध्यम से पेमेंट गेटवे, बी.बी.पी.एस., वर्चुअल अकाउंट नंबर से बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के घर बैठे ही बिजली बिलों के भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई है। उपभोक्ताओं को वर्चुअल एकाउन्ट नंबर पर भुगतान करने पर बिल जमा करने की रसीद तुरंत प्राप्त होगी एवं भुगतान राशि ए.पी.आई. के माध्यम से उपभोक्ता के देयक के विरूद्ध खातों में रियल टाईम आधार पर जमा हो जाएगी।

कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा है कि सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को सतत् विद्युत आपूर्ति एवं उपभोक्ता सेवाओं में विस्तार कंपनी की पहली प्राथमिकता है। कंपनी के राजस्व में उपभोक्ताओं का महत्वपूर्ण स्थान है और इसी के तहत उपभोक्ताओं को बिल जमा करने की सुविधा का विस्तार करते हुए कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा एवं एचडीए सी कंट्री हेड श्री अरविंद वोहरा द्वारा एमओयू हस्ताक्षरित किया गया है। गौरतलब है कि अब उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को बिल जमा करने के लिए कंपनी कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। वे कहीं से भी किसी भी समय बैंक खाते से वर्चुअल एकाउन्ट नंबर में अपने बिजली बिलों का भुगतान आसानी से कर सकेंगे, जो उनके खातों में रियल टाईम आधार पर जमा होंगे और कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के लेखे व्यक्तिगत रूप से संधारित किये जाएंगे।

मध्यप्रदेश की पहल सराहनीय : प्रख्यात बी बॉय श्री आरिफ चौधरी

विचाराधीन ब्रेक डांस अकादमी के लिए हुआ टैलेंट सर्च

खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया ब्रेक डांस टैलेंट सर्च में हुई शामिल

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विचाराधीन ब्रेक डांस अकादमी के लिए 4 संभाग इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर के बाद गुरुवार को भोपाल में टैलेंट सर्च हुआ। इसमें लगभग 105 युवाओं ने अपना हुनर दिखाया, इसमें से 29 लड़के और 13 लड़कियों का चयन अगले चरण के लिए किया गया है।

मध्यप्रदेश की पहल सराहनीय- ब्रेक डांस की प्रतिभाओं को जज करने के लिए देश के प्रख्यात बी बॉय (ब्रेक डांसर) श्री आरिफ इक़बाल चौधरी अपनी टीम के साथ उपस्थित थे। उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार की सराहना करते हुए कहा कि ब्रेक डांस अकादमी के शुरू होने से युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण के साथ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में बेहतर ढंग से हुनर दिखाने का मौका मिलेगा। इस बार पेरिस ओलिंपिक 2024 में ब्रेक डांसिंग को शामिल किया गया है। श्री आरिफ ने कहा कि खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया के प्रयासों से प्रदेश के ब्रेक डान्सर्स को मौका मिलेगा, जो हमें नहीं मिला।

खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया ने भी देखा ब्रेक डान्सर्स का हुनर- खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती सिंधिया टी. टी. नगर स्टेडियम में हुए

ब्रेक डांसिंग के टैलेंट सर्च को देखने पहुँची। उन्होंने टैलेंट सर्च के प्रतिभागियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी संचालित खेल अकादमियाँ, अकादमी ऑफ एक्सीलेंस हैं। अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक कमेटी द्वारा ब्रेक डांस को ओलिंपिक ब्रेकिंग के नाम से शामिल किया गया है। श्रीमती सिंधिया ने कहा कि डांस युवाओं में बहुत लोकप्रिय है। इसलिए हम ब्रेक डान्सर्स को प्लेटफार्म देने की तैयारी कर रहे हैं। ये हमारे लिए एक सुनहरा अवसर और चुनौती दोनों हैं। विभाग द्वारा इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और भोपाल में टैलेंट सर्च कर प्रदेश की प्रतिभाओं का चयन किया गया है।

प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण श्रीमती दिप्ति गौंड़ मुखर्जी, संचालक खेल एवं युवा कल्याण श्री रवि कुमार गुप्ता और प्रमुख जज श्री आरिफ इक़बाल चौधरी के साथी श्री रमन कुमार दुबे, श्री रंजन यादव तथा श्री नितिन जैन उपस्थित थे।

'बच्चों के हिस्से की जमीन बेचने से जो रकम मिले उसकी एफडी करानी होगी'

इंदौर। नाबालिग बच्चों के भविष्य को देखते हुए जिला न्यायालय ने एक सकारात्मक पहल की है। संयुक्त परिवार के एक सदस्य की मृत्यु के बाद परिवार के अन्य सदस्य संपत्ति बेचना चाहते थे। मृतक की पत्नी भी इसके लिए तैयार थी, लेकिन मृतक के बच्चों के नाबालिग होने की वजह से मामला अटक रहा था। आखिर समस्या न्यायालय के समक्ष पहुंची। न्यायालय ने सभी पक्षों को सुनने के बाद जमीन बेचने की अनुमति तो दी लेकिन आदेश दिया कि नाबालिग बच्चों के हिस्से की जमीन को बेचने से जो रकम मिलेगी वह बैंक में एफडी करना होगी ताकि बच्चों का भविष्य न बिगड़े और बालिग होने पर वे अपनी हिसाब से इस रकम को खर्च कर सकें।

मामला बिजलपुर की सरिता गेहलोत का है। उनके पति महेंद्र

गेहलोत की मृत्यु हो चुकी है। परिवार की संयुक्त मालकियत की जमीन ग्राम बिजलपुर में है। यह जमीन महेंद्र को उनके पिता की मृत्यु के बाद प्राप्त हुई थी। इसमें महेंद्र के साथ-साथ उनके भाई और अन्य स्वजन भी हिस्सेदार थे। परिवार इस जमीन को बेचना चाहता था। महेंद्र की पत्नी सरिता भी इसके लिए तैयार थी, लेकिन सवाल बच्चों के भविष्य का था।

न्यायालय ने दिया यह आदेश - सरिता गेहलोत ने इस संबंध में जिला न्यायालय में वाद दायर किया। इसमें जमीन बेचने की अनुमति चाही गई थी। इसमें बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता भी जताई गई थी। न्यायालय ने सभी पक्षों के तर्क सुने। इसके बाद कोर्ट ने निर्देशित किया कि सरिता अपनी अवयस्क संतान के हिस्से की भूमि विक्रय करने के बाद प्राप्त राशि को सर्वोत्तम लाभ प्राप्त करने की दृष्टि से उनके वयस्कता दिनांक तक के लिए किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि खाते में जमा कर सावधि खाते के प्रमाण पत्र की छायाप्रति न्यायालय में प्रस्तुत करे। यह आदेश देकर कोर्ट ने जमीन बेचने की अनुमति दे दी।

'जुमलाजीवी कहना असंसदीय पर आंदोलनजीवी कहना असंसदीय नहीं'-

संसद में कुछ शब्दों के इस्तेमाल पर लगी पाबंदी पर बोले राघव चड्ढा

नई दिल्ली। संसद में माननीय सांसदों द्वारा जुमलाजीवी, तानाशाह, तानाशाही जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने पर उसे असंसदीय माना जाएगा। संसद के नए नियमों के मुताबिक, इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करने पर माननीय सांसद के संबोधन को संसद की कार्यवाही से हटा दिया जाएगा। 18 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से यह नियम प्रभावी होगा। लोकसभा सचिवालय ने बकायदा एक बुकलेट जारी की है। जिसके में असंसदीय शब्दों का विस्तृत उल्लेख किया है।इसी बीच विपक्षी पार्टियों ने असंसदीय शब्दों को लेकर जमकर निशाना साधा है। आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि उन शब्दों की सूची पढ़कर लगता है कि सरकार बखूबी जानती है कि उनके काम को कौन से शब्द परिभाषित करते हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि सरकार ने आदेश निकाला है कि संसद में सांसद कुछ शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकते। उन शब्दों की सूची पढ़कर लगता है कि सरकार बखूबी जानती है कि उनके काम को कौन से शब्द परिभाषित करते हैं।

युवाओं में नेतृत्व विकास की दिशा में कोई कमी नहीं रहे : सीएम श्री चौहान

राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत 23 एवं 24 जुलाई को

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि युवाओं में नेतृत्व का विकास करने की दिशा में यूथ महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। इसके सार्थक परिणाम लाने के लिए कोई कमी नहीं रहने दी जाए। नए विचारों एवं सुझावों से इस दिशा में कार्य किया जाए। युवा स्टार्ट अप की विभिन्न गतिविधियों से भी जुड़ सकें इसके लिए प्रयास किए जाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर एवं स्वर्णिम मध्यप्रदेश के निर्माण में युवाओं की सहभागिता अधिकाधिक हो। उन्होंने यूथ महापंचायत में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यूथ महापंचायत का उद्देश्य शहीद चंद्रशेखर आजाद की विरासत को आगे बढ़ाते हुए मध्यप्रदेश के उत्साही युवाओं को साथ लाकर एक मंच प्रदान करना है, जिससे वे राज्य, देश और दुनिया की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों की पहचान कर हरसंभव समाधान सुझाएँ।

प्रत्येक जिले से चुने गए आदर्श युवा प्रतिनिधियों और उनके संरक्षकों के पारस्परिक संवाद के इस दो

दिवसीय आयोजन से आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के विजन में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास होगा। साथ ही युवाओं में नेतृत्व कौशल भी विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के युवा बेटे-बेटियों से प्रदेश के गौरव शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर होने वाली राज्य स्तरीय 'यूथ महा पंचायत में भाग लेकर राष्ट्र और समाज की उन्नति में सहभागी बनने का आहवान किया है। उन्होंने युवाओं से कहा कि अपनी योग्यता का उपयोग कर आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में सहभागी बनें। संचालक खेल एवं युवा कल्याण श्री रवि गुप्ता ने बताया कि शहीद चंद्रशेखर आजाद की 116वीं जयंती पर भोपाल में आगामी 23 एवं 24 जुलाई को राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत होगी। सभी जिलों में होने वाली यूथ पंचायत से चयनित आदर्श युवा और उनके प्रेरक शामिल होंगे। इसके रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। इसके बाद प्रतिभागियों के चयन के लिए स्क्रीनिंग की जाएगी।

पाकिस्तानियों को नहीं, कश्मीरियों को घर में घुसकर मारा जा रहा है-महबूबा

फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती अपना पाकिस्तान राग अलापना कभी नहीं छोड़ते। जम्मू-कश्मीर में बदले माहौल में तेज तरक्की हो रही है लेकिन इन दोनों नेताओं को लगता है कि हालात बहुत खराब हैं। शायद इनके लिए हालात इसलिए खराब हों क्योंकि अब वहां भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं रह गयी है, इन नेताओं के लिए हालात शायद इसलिए खराब हो रहे होंगे कि अब राजनीति और प्रशासन में परिवारवाद और भाई-भतीजावाद की कोई जगह नहीं रह गयी है। जम्मू-कश्मीर में दशकों तक राज करने और इस पूरे क्षेत्र को विकास से दूर रखने वाले यह नेता अपने खराब हालात को केंद्र शासित प्रदेश के हालात से जोड़ देते हैं इसलिए इन्हें सब कुछ खराब ही खराब दिखता है।

बहरहाल, बात पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के ताजा बयान की करें तो उन्होंने मोदी सरकार पर बरसते हुए कहा है कि आज देश में जो माहौल बना दिया गया है वैसा कभी नहीं था। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने नारा दिया था कि घर में घुस कर मारेंगे। महबूबा ने कहा कि पाकिस्तानियों को तो पता नहीं लेकिन कश्मीरियों को जरूर घर में घुस कर मारा जा रहा है। यही नहीं महबूबा ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह एक समिति द्वारा सिफारिश की गई संख्या से कहीं अधिक श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति देकर अमरनाथ यात्रा को ''राजनीतिक मुद्दा'' बना रही है। पीडीपी प्रमुख ने आरोप लगाया कि गत शुक्रवार को बादल फटने की घटना में मरने वालों की वास्तविक संख्या को प्रशासन छिपा रहा है।

महाराष्ट्र में पेट्रोल 5 रुपये और डीजल 3 रुपये हुआ सस्ता

मुंबई। महाराष्ट्र के नवनियुक्त एकनाथ शिंदे की सरकार ने लोगों को बड़ी राहत दी है। महाराष्ट्र में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हो गए हैं। मिल रही जानकारी के मुताबिक अब महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत 5 रुपये कम हो गई है जबकि डीजल की कीमत में 3 रुपये की कटौती की गई है। महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया है। माना जा रहा है कि सरकार के इस फैसले से आम लोगों को बड़ी राहत पहुंचेगी। सरकार बनने के साथ ही एकनाथ शिंदे ने इस बात का इशारा कर दिया था कि आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम कम की जाएंगी। वर्तमान में देखें तो मुंबई में पेट्रोल के दाम 111.35 रुपए प्रति लीटर है। अब 5 रुपये के कम होने के साथ ही इसकी कीमत 106.35 हो जाएगी। वहीं डीजल 97.28 रुपये लीटर है जो कि अब 94.28 में मिलेगा। आपको बता दें कि डेढ़ महीने पहले ही केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की थी। उस वक्त केंद्र की ओर से पेट्रोल पर 8 रुपये और डीजल पर 3 रुपये की एक्साइज ड्यूटी हटाई गई थी। तब आम लोगों को बड़ी राहत मिली थी।

आरएसएस चाहती है कि भारत का एक धर्म हो', औवैसी बोले-

केवल दो बच्चों वाली नीति नहीं चलेगी

नई दिल्ली। विश्व जनसंख्या दिवस के दिन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए बयान को लेकर राजनीतिक बवाल जारी है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी जनसंख्या को लेकर अपनी राय रखी थी। अब किसी पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का बयान सामने आया है। असदुद्दीन ओवैसी ने साफ तौर पर कहा है कि भारत में दो बच्चों वाली नीति नहीं चलेगी। यहां की जनसंख्या अपने आप गिर रही है।

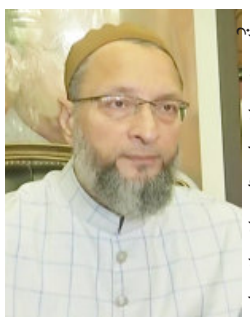

न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि अगर भारत सरकार दो बच्चों का मानदंड का बिल लाएगी तो मैं उसका बिलकुल समर्थन नहीं करुंगा क्योंकि यह भारत के बिलकुल हक में नहीं होगा। भारत की जनसंख्या अपने आप गिर रही है और 2030 तक यह स्थिर हो जाएगी।

औवैसी ने आगे कहा कि भारत की 50ः आबादी 25 वर्ष से कम उर्म के युवाओं की है, उनके लिए मोदी सरकार ने क्या किया? बेरोज़गारी इस देश का ज्वलंत मसला है। उन्होंने सवाल किया कि धर्म परिवर्तन से भारत का क्या ताल्लुक? भारत का कोई धर्म है? इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि एए चाहती है कि भारत का एक धर्म हो। हैदराबाद से सांसद ने कहा कि हिंदुत्व और भारतीयता एक नहीं है। भारत कई धर्मों से मिलकर बना यहां कोई धर्म परिवर्तन करना चाहता है तो कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने सवाल किया कि आखिर एक समुदाय के प्रति इतनी नफरत क्यों फैलाई जाती है?

मोहन भागवत ने क्या कहा था- मोहन भागवत ने कहा है कि सिर्फ खाना और आबादी बढ़ाना पशुओं का काम है। मनुष्य की निशानी दूसरों की रक्षा करना है। मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कई मुद्दों पर विस्तार से बात की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि शक्तिशाली ही जिंदा रहेगा, यह जंगल का नियम है। लेकिन जब शक्तिशाली दूसरों की रक्षा करने लगे तो यह मनुष्य की निशानी है। उन्होंने कहा कि सिर्फ खाना और आबादी बढ़ाना यह काम तो जानवर भी कर सकते हैं। मनुष्य के कई कर्तव्य होते हैं, जिनका निर्वाहन उन्हें समय-समय पर करते रहना चाहिए।

दार्जिलिंग में कभी मोमोज तो कभी पानी पुरी बनाती दिख रहीं ममता बनर्जी, गहरे हैं इसके सियासी मायने

दार्जिलिंग। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी इन दिनों दार्जिलिंग दौरे पर हैं। दार्जिलिंग से उनके कई वीडियो सामने आए हैं जिसमें वे कभी पानी पूरी बनाती दिखाई दे रही हैं तो कभी मोमोस बनाने में हाथ आजमा रही हैं। ममता बनर्जी बढ़िया पेंटिंग करते हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि वह अब खाने पीने की चीजों को भी बनाने में वह हाथ आजमाना चाहतीं हैं। एएनआई की ओर से एक वीडियो जारी किया है जिसमें सुबह दार्जिलिंग मोमोज बनाते हुए दिखाई दे रही हैं। वह एक जगह बैठी हैं और मोमोज तैयार कर रही हैं।

सियासी संदेश- भारत में किसी राजनेता के द्वारा किए जा रहे हर काम को राजनीतिक एंगल से जरूर देखा जाता है। ममता बनर्जी के दार्जिलिंग दौरे और वहां उनके द्वारा पानी पुरी तथा मोमो बनाने की पूरी कोशिश का राजनीतिक विश्लेषण भी किया जा रहा है। माना जा रहा है कि आम लोगों के बीच अपनी सीधी पकड़ बनाने के लिए ममता बनर्जी इस तरीके का काम करती रहती हैं। पिछले साल भी दार्जिलिंग दौरे के दौरान उन्होंने पानी पुरी बनाया था।

मुद्रक एवं प्रकाशक संजय अग्रवाल द्वारा गोल्ड कॉईन सेवा ट्रस्ट के पक्ष में राजा ऑफसेट प्रिंटर्स, 863/9, नेहरू नगर, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित तथा 54-55, चाणक्यपुरी, अन्नपूर्णा रोड, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संजय अग्रवाल* (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)